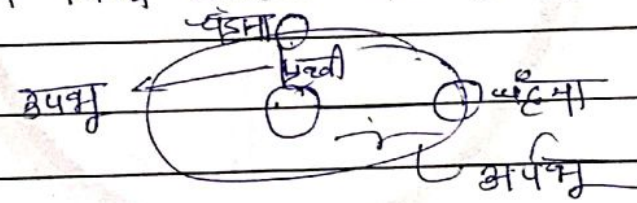



1 A	<p>* फुल्लत तला, गैसी, धूलके ठणो, टिमठणो से बना हुआ समुद्र बेटा है।</p>
□ □	<p>* निकट में गमक ठवता है।</p>
□ □	<p>* एक निश्चित समय बाद दुबारा दिखाई देते हैं।</p>
1 B	<p><u>उपमृ</u> → जब चंद्रमा पृथ्वी के सबसे नजदीक होता है।</p>
□ □	<p><u>अपमृ</u> → जब चंद्रमा पृथ्वी के सबसे दूर होता है।</p>
□ □	<p>उपमृ में गुरुत्वाकर्षण अधिक होने के कारण</p>
□ □	<p>दुबला बने व अपमृ में गुरुत्वाकर्षण कम होने के कारण</p>
□ □	<p>केवल निम्न ज्वाल पट प्रभाव पड़ता है।</p>
□ □	
□ □	
1 C	<p><u>हरमदन</u> → उत्तरी अक्षांश में चलने वाली गर्म व</p>
□ □	<p>बलवती हवा।</p>
□ □	<p>→ इसे गिनी तट पर ठण्ठी हवा भी कहा जाता है।</p>
□ □	<p>→ स्थानीय पवन का उदाहरण है।</p>
□ □	

1 0

हिमानी द्वारा निर्मित स्फाट्टि

① पृष्ठाकार की धाड़ी

② सिके  सिके

③ शरित  शरित

1 E

धारावाहक शैल समूह : * प्राकृतिक चट्टानों के अपरदन

व निक्षेपण से निर्मित

* जीवाश्म की अनुपस्थिति

* अतिज खडारों से समूह

* म-कू. में जखलपुल काबल छोटी

दिलवाडा चिन्पी सेनी, धारावाहक

कम के रलिसमूह हैं।

विन्पा शील

1 F

> छडीका के तट पर स्थित

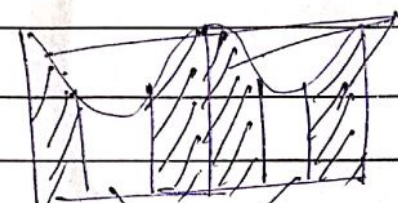
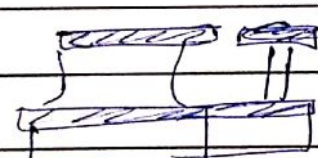

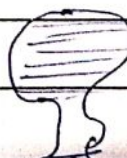
> खारे पानी की लंगून शील

> भारत की खारे पानी के सबसे

बडी शील

1	K	ESSAY → Food safety & standards Authority of India.
		→ भारत में खाद्य सुरक्षा की शीर्ष नियामक संस्था।
		→ खाद्य पदार्थों के सेफ्टी-स्टैंडर्ड्स तय करती है।
1	L	<u>कृषि निर्यातक्री</u> →
		* कृषि आधारित कच्चे माल को निर्यात को बढ़ावा देता है।
		* मुख्यतः व्यापार वानिज्यिक कृषकों को अपने शामिल किया जाता है।
		* कृषि विकास, व गुणवत्ता में सुधार देता है।
1	M	<u>चकवनी</u> →
		* भूमि-सुधार का अंग
		* छोटे-छोटे बीतों को एकत्रित कर अधिक बीतों में बदलना।
		* चकवनी से कृषि में न विकास होता है।

1	H	<u>कृषिगिरी</u> :- * भूमि की खुरदरा लाने की नयी तकनीक
		* किसानों को कृषिगिरी से लाभ प्राप्त होगा।
		* सटीक होने के साथ-साथ कृषि का अतः विकास के लिए उपयुक्त नहीं।
1	0	<u>राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान</u>
		> आपदा प्रबंधन शीघ्र व अनुसंधान को बढ़ावा देगी।
		> आपदा प्रबंधन संस्थान का शक्ति भी निगम
		> डिजिटल आपदा प्रबंधन में डिजिटल व अन्य प्रोग्राम शामिल करती हैं।

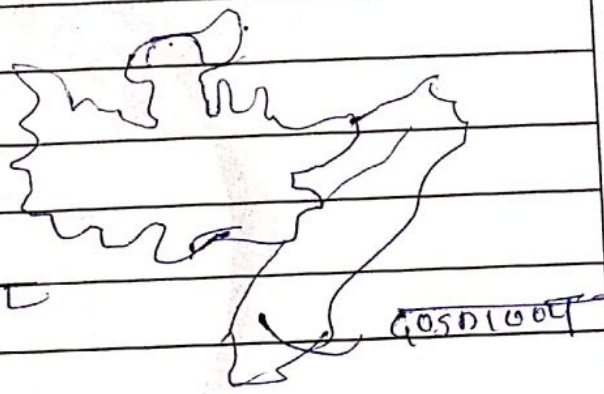
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<p>वायु अपरदन के कारकों में अपरदन का मुख्य कारक है। वायु अपने साथ छोटे-छोटे धूल के कण लेट चلتی है जो संरचना/चटानों को चककाक कर कथलाहीमो का भिमणि करती है। जैसे -</p>
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<p>① <u>मरसांग</u> → कठोर व मुलायम चटानों के समानांतर व पारालल दिक्कत में आवश्यक होने पर</p>
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<p>कठोर चटान</p>
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<p>मुलायम चटान</p>
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<p>② <u>जुगेन</u> → कठोर व मुलायम चटानों के समानांतर व पारालल दिक्कत में आवश्यक होने पर।</p>
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<p>③ <u>शाय</u> → <u>मुलायम</u> →</p>
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<p>मशकम चटान →</p>
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	

2	B	
		<p>उच्च दबाव भूमि</p> <p>निम्न दबाव भूमि</p>
		<p>* उच्च दबाव व निम्न दबाव सामयिक पवनो के उदाहरण हैं।</p>
		<p>* उदा: उत्कलिकाधीय तटीय क्षेत्रों में पायी जाती हैं।</p>
		<p>* मुख्य कारण उच्च व निम्न दबावों में तापमान में अंतर है।</p>
		<p>* उदा: भारत के दक्षिण में तटीय क्षेत्रों में मिलावटु, उच्च, मुंबई आदि।</p>
		<p>* उत्तर की समस्त तटीय क्षेत्रों की अवस्था पर सम-उच्चता का प्रभाव।</p>

Q	F	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	केन्द्र समुदाय परियोजना भारत सरकार की
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	महत्वाकांक्षी योजना है जिससे भारत
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	का निर्माण होगा। जिसकी बुकडॉट 2019
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	में मासिक प्रदान नहीं कीने की।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<u>लक्ष्य</u> → 2019 तक अनुमानित
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<u>उद्देश्य</u> → भारत में रस्ते कासिंग
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	को अडवग्राउंड या शोर्ट ब्रिज
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	काकल समाप्त करना।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	→ कुनो काकल जीरोइवक व मरामत
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	→ पूरे भारत को एक करना।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<u>लक्ष्य</u> → कनेक्टिविटी बढ़ेगी।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	→ मानाघाट व परिवहन नीकटि से
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	होगा।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	→ आर्थिक विकास में सहायक
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	इस प्रकार केन्द्र सरकार परियोजना न
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	कि भारत के आर्थिक विकास में सहायक
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	है, वकि मर पूरे भारत के आनाधिक विकास
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	में सहयोग की कृपिका का निर्वहन कर
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	रही है।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	

9	4	
		भारत वैश्वीकरण जिन्सी सी देश की धर्मियकरण का मजबूत आधार है। यह भारत के ई कोर सेक्टर में शामिल है।
		<p>1) <u>गुजरात</u> : यहाँ पर रिटायरिंग के साथ वैश्वीकरण का निष्कर्षण हो रहा है। मुख्य क्षेत्र - खम्बट की खाड़ी</p>
		<p>2) <u>अबाम</u> → भारत की प्रथम वैश्वीकरण क्षेत्र डिग्रीज यही उपस्थित है। → मुख्य क्षेत्र - डिग्रीज, ब्रह्मपुत्र घाटी क्षेत्र</p>
		<p>3) <u>बाम्बे</u> → बाम्बे एंड वेबिन → भारत वैश्वीकरण व डिग्रीज वैश्वीकरण प्राप्त निष्कर्षण</p>
		<p>4) <u>राजस्थान</u> → ESSAR ग्रुप द्वारा निष्कर्षण</p>

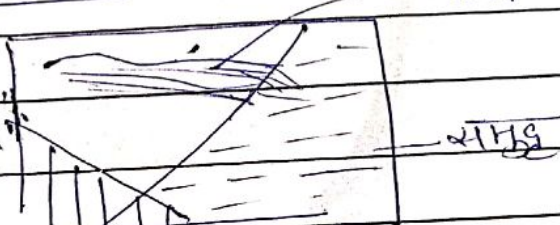
९	५	० दंडकारण्य के पहाट क्षेत्र छत्तीसगढ मे स्थित है।
		० इसे ककरत के पहाट के नाम से भी जाना जाता है।
		० डीमला क्षेत्र के लिए प्रसिद्ध।
		० मधनवी का प्रसिद्ध क्षेत्री लेखन।
		० घने वनों का विस्तार।
		० जम्सलवाड़ से घुसित क्षेत्र।
		० महाराष्ट्र, तेलंगाना, छत्तीसगढ मे विस्तृत।
		० खनिज समृद्ध होने पर भी कम विकसित क्षेत्र।
		० उबावती झरना दंडकारण्य पहाट मे ही अवस्थित है।
		० गीठवाला ढुंड का भाग है।
		० कई जनजातियाँ बोलुल - शक्ति का निवासी स्थल।

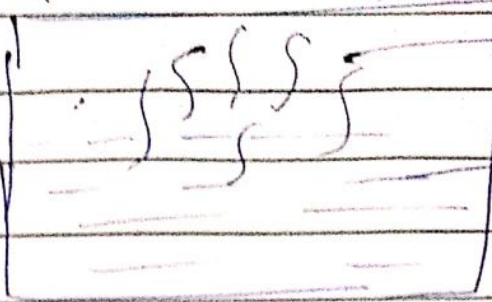
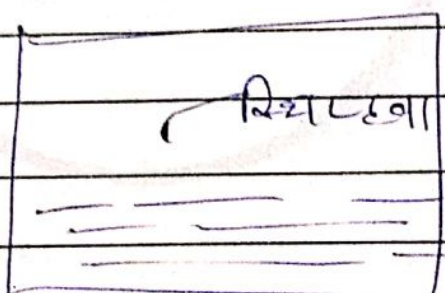
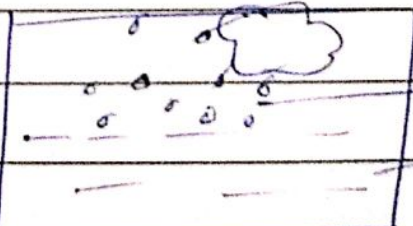


<p>९ क</p>	<p>कुशल सिंचाई के दो प्रकार विस्तृत रूप से बताने ताबय, मर, मलकप,</p>
<p><input type="checkbox"/> <input type="checkbox"/></p>	<p>कुशल सिंचाई, कृषि के लिए इतना ही बकरी है जिसनाकह इतक, गुणवत्ता इतनी बीज ज़रूरी</p>
<p><input type="checkbox"/> <input type="checkbox"/></p>	<p><u>कुशल सिंचाई की विधि</u> →</p>
<p><input type="checkbox"/> <input type="checkbox"/></p>	<p>① <u>स्प्रेडल सिंचाई</u> → इसमें एक पाइप को छेद में समीकोवित किया जाता है।</p>
<p><input type="checkbox"/> <input type="checkbox"/></p>	<p>→ पाइप में एक छिद्र के लोहाटके रूप में सिंचाई होती है, जो समता रहता है।</p>
<p><input type="checkbox"/> <input type="checkbox"/></p>	<p>② <u>टपकन सिंचाई</u> → यह उल्टा सिंचाई का ज्ञान है।</p>
<p><input type="checkbox"/> <input type="checkbox"/></p>	<p>के अन्तर् में के के पास पाइप में एक छेद बना छिद्र होता है जिससे यह पीछे की जगह में पानी पहुँचाता है।</p>
<p><input type="checkbox"/> <input type="checkbox"/></p>	<p>के बकरी यह उल्टे क्षेत्रों के लिए बहुत उपयोगी है।</p>
<p><input type="checkbox"/> <input type="checkbox"/></p>	<p></p>
<p><input type="checkbox"/> <input type="checkbox"/></p>	<p></p>
<p><input type="checkbox"/> <input type="checkbox"/></p>	<p></p>
<p><input type="checkbox"/> <input type="checkbox"/></p>	<p></p>

१	I	<u>चेरनोबिल (1986)</u>
		• 0 <u>व्याप्तिका</u> - 26 अप्रैल 1986
		0 स्थान - चेरनोबिल, यूक्रेन (सोवियत संघ)
		0 <u>पृष्ठभूमि</u> के परमाणु चेरनोबिल संसद में प्रयोग कल रहा था कि, संसद एकल
		संप्र को पर चूमती खवाहन किनी विद्युत पैदा करवाती है
		<p style="text-align: center;"> </p> प्रयोग के कई कारणों में लापरवाही जैसे - निर्माण खंडों को एकल बार निगलना
		निगलना
		<p style="text-align: center;"> </p> संसद का तापमान पगुना खरगवा
		<p style="text-align: center;"> </p> 0 <u>परिणाम</u> के भाप के विकसित
		→ 1000 परा क्रांति लुप्त 35 गर्ड
		→ रेडियोधर्मी पदार्थ परमाणु में विकर
		<p style="text-align: center;">गए</p> चेरनोबिल दुर्घटना में मात्रव जो जोखने पर मन्वृत्कर दिया कि जम्मा परमाणु ऊर्जा एक सुरक्षित स्थान है

१	L	<p>कृषि</p> <p>म.प्र. एक विश्वी प्रधान राज्य है जहाँ पर कृषि की विविधता का उत्पादन है। जिससे यहाँ पर खाद्य प्रमाणात्मक की अपाट संभावनाएँ हैं।</p>
□	□	<p>□ —</p>
□	□	<p>□ 1. कृषि उत्पादकों की अवस्थिति</p>
□	□	<p>□ कृषि में विविधता</p>
□	□	<p>□ गेहूँ, सोयाबीन, ज्वार, मक्का में प्रमुख उत्पादक राज्य</p>
□	□	<p>□ बाजार द्वारा प्रोत्साहन</p>
□	□	<p>□ यातायात व परिवहन की सुविधा</p>
□	□	<p>□ आधुनिक व आर्टिफिकल युग में रोज़मर्रा पदार्थों की बढ़ती माँग।</p>
□	□	<p>□ म.प्र. के राज्यों के साथ ही महाराष्ट्र, गुजरात जैसे राज्यों के बड़े राज्यों की माँग।</p>
□	□	<p>□ म.प्र. में खाद्य उत्पादन की अधिक संभावनाएँ जिससे न केवल किसानों को लाभ मिलेगा, अपितु बेरोजगारों को रोजगार भी मिलेगा।</p>
□	□	<p>□ म.प्र. में खाद्य उत्पादन की अधिक संभावनाएँ जिससे न केवल किसानों को लाभ मिलेगा, अपितु बेरोजगारों को रोजगार भी मिलेगा।</p>
□	□	<p>□ म.प्र. में खाद्य उत्पादन की अधिक संभावनाएँ जिससे न केवल किसानों को लाभ मिलेगा, अपितु बेरोजगारों को रोजगार भी मिलेगा।</p>
□	□	<p>□ म.प्र. में खाद्य उत्पादन की अधिक संभावनाएँ जिससे न केवल किसानों को लाभ मिलेगा, अपितु बेरोजगारों को रोजगार भी मिलेगा।</p>

3 A	<p>अम्ल में घुलित लवणों की अवस्थिति अम्ल की लवणता बढ़ाती है। अम्ल की लवणता 35% होती है। इसे प्रति 1000 में मापा जाता है।</p>
□ □	
□ □	
□ □	<p>अम्ल की लवणता को निम्नोक्त प्रकार से दर्शाते हैं →</p>
□ □	
□ □	<p>(1) नदियों का अवस्थापन ^{भागमन} →</p>
□ □	
□ □	<ul style="list-style-type: none"> • नदी में स्वच्छ जल की मात्रा अधिक होने पर अम्ल की लवणता कम होगी।
□ □	
□ □	<ul style="list-style-type: none"> • स्वच्छ जल की मात्रा कम होने पर अम्लीय लवणता अधिक होगी।
□ □	
□ □	<p>(2) वाष्पन → वाष्पन अधिक होने पर अम्ल की लवणता में वृद्धि होगी।</p>
□ □	

<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>			वाष्पन
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>			समुद्र
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>			
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	(3)	<p>बिघर हवा को बिघर हवा होने पर समुद्र की पानी ज्वलता शक्ति होगी।</p> <p>को बिघर हवा के कारण पानी ज्यादा गरम करने समय मासपाय के समुद्री जल से व्यंयोग नहीं हो पाएगी</p>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>			
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>			समुद्र
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>			
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	(4)	<p>वर्षा को वर्षा के कारण ज्वलत जल की मात्रा समुद्र की ज्वलता से कम होती है।</p>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>			
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>			वर्षा
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>			समुद्र

० इस मध्यरेखीय क्षेत्रों में जैवजैव वर्षा के कारण वार्षिक वर्षा कम होती है।

३) वागीय धाराएँ →

० गरम धाराएँ वर्षा को बढ़ाती हैं

वर्षा की धारा वर्षा को कम करती हैं।



गन्धर्वीय की रेखा
जलवायु

भूमध्य
रेखा की रेखा
जलवायु

६) समुद्र सतहों की शक्ति → लंबे समुद्र की लंबाई

अधिक जलवायु के समुद्र की शक्ति कम करती हैं।

जैसे :- मध्यसागर की अधिक जलवायु
एशिया महासागर की कम

जब प्रकार समुद्र की लंबाई को अनेक कारण प्रभावित करते हैं जिससे इसकी मात्रा अंतर्गत रहती है।

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

कौटिल्य एकेडमी
सफलता का पथ है...

S	B	<p>गंगोत्री → महाप्लाच → लक्ष्मीनाथ (भक्त कनवा) मेराकनी → नंद प्रयाग → विष्णु प्रयाग देव प्रयाग → भक्त कनवा</p>
□	□	<p>भारमोक्षी → नंद प्रयाग → नंदप्रिनी नदी देव प्रयाग → भक्त कनवा</p>
□	□	<p>बंगाल की खाड़ी</p>
□	□	<p>गंगा का कुगम गंगोत्री (उत्तराखण्ड) सिद्धे ग्लेशियर से होता है।</p>
□	□	<p>उत्तर भारत में उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, बिहार पश्चिम बंगाल में बहती हुई बंगाल की खाड़ी में गिरती है।</p>
□	□	<p>उत्तर भारत की सामाजिक, आर्थिक, जीवन में महत्वपूर्ण होने के कारण उत्तर भारत की जीवन रेखा बनें जाता है।</p>
□	□	<p>गंगा नदी का</p>
□	□	<p>रामगंगा धार → गंडक → कोसी → महानदी पंचमंदा</p>
□	□	<p>गंगोत्री → बंगाल की खाड़ी</p>
□	□	<p>पमुना → यमुना</p>

<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	० गंगा नदी की बायीं ओर ^{मुख्य} मुख्य नदियाँ - रामगंगा, घाबल, गण्डक, कोसी
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	० गंगा नदी की दायीं ओर की मुख्य नदियाँ - यमुना, सोन, भागी
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	० कुल लंबाई - २५२५ किमी.
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	महत्व → ० प्रमुख बाँध - नाश्या अठरी डेम
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	० अठरी डेम अठरी डेम का निर्माण १९६० में हुआ था।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	महत्व ० इलाहाबाद को एन्दिया राष्ट्रीय पक्षमार्ग की उपस्थिति।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	० प्रमुख ^{हिन्दू} धार्मिक शहर - केदावनाथ, बद्रीनाथ, हरिद्वार, भागी आदि आँगा नदी तट पर स्थित हैं।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	० ^{अन्य} प्रमुख नगर - पटना, भागलपुर, भागी

<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	0 अपने मुहाने पर दुनिया का सबसे बड़ा व अपवाह डेल्टा का निर्माण करती है।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	0 प्रमुख कमल के गन्ना, गेहूँ, चावल, जूट, आदि की फसल की जाती है।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	0 औद्योगिक मछली उत्पादन का प्रमुख स्रोत।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	0 भारत की विशाल आबादी 30% का भक्षण।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	0 अहनीय नदी।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	इस प्रकार गंगा नदी का भारतीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान है जिसे इसके महत्व को देखते हुए इसे माता नदी के रूप में माना जाता है।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	

3	C	भूमि सुधार से अशाय - कृषि प्रणाली व
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	कृषिओं के व्यवस्था में उनी कार्यसमता व
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	उत्पादकता बढ़ने के लिए किए गए अशाय हैं।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<u>भूमि सुधार के उद्देश्य</u>
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	> कृषि के हितों की सुरक्षा।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	> कृषि का आर्थिक जीवन में परिवर्तन
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	के उत्पादन बढ़ाना।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	> किसानों व राज्य के मध्य में
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	विचोदियों का अंत।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	> भूमि की उच्चतम सीमा निर्धारित कर
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	अथ भूमि व भूमिहीनों में वितरण।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	> कृषि के लाभकारी बजारों के आर्थिक
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	विकास का आधात्मलक्ष्य बनना।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<u>भूमि सुधार के लिए किए गए कार्य</u> →
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	> जमींदारी प्रथा का अन्तुलन

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

प्रश्न संख्या

<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	> काष्ठकारी तकिया में बुधाट काष्ठकारी के जोषण के विजय बलन बनाए
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	> जीनो की पीमावर्दी जीनो के अधिकतम शाश्वत निश्चित किया
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	जीनो की चकवर्दी छोटी-छोटी जीनो
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	के एकदित अधिक आयुक्त जीनो में परिवर्तन बना।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	> <u>सकारी बेगी</u> अपि बुधाट अंतिम लक्ष
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	> <u>भूमि आवेदन</u> के विनोबा भावे अधिक भूमि को प्राप्त अ भूमिहीनो में विपण
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	> जनजातीय भूमि की सुरक्षा
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	> भूमि अभिलेखों का ड्यूरीकरण अ
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<u>मेहल</u> कृषि का विकास 0 आयुक्त जीनो में परिवर्तन से कार्यक उत्पादन
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	0 कम समय लागत

<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	(2) सामाजिक क्रांति व भूमिहीनो में कृषि भूमि का वितरण से सामाजिक असमानता कम होगी।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	(3) नियोजित विकास कृषि का विकास ही औद्योगिक विकास का माध्यम है।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	भारत में भूमि-सुधार का मूल्यांकन:
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	> भारत में भू-सुधार आंदोलन राष्ट्रीय जननीयता रक्षा समिति तथा कई राज्यों से प्रांतीय रूप से सफल रही। परिणाम
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	> इसका ज्यादा प्रभाव उच्च प्रदेशों में देखे जाते हैं।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	भू-सुधार की सफलता के लिए उपाय:
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	> भूमि रिकॉर्डों का कंप्यूटरीकरण बेजी करे।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	> क्रांतिकारी कृषि कानून की उमियों को उलटें।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	भू-सुधार के भारत में पूर्णतः सफल नहीं रहे किन्तु इन सुधारों की वर्तमान में प्राथमिकता भेद बढ़ गई है। सरकार को इनको तेज से लागू करना चाहिए।